



अधिकतम : 28°C
न्यूनतम: 24°C

आबरे छुपावा नहीं, छापवा है

शाह टाइम्स

मेरठ, शुक्रवार 1 अगस्त 2025 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 61 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com



विद्युत खबरों के लिए QR
कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

श्रावण शुक्रवार पक्ष 6 विक्रमी मंगल 2025

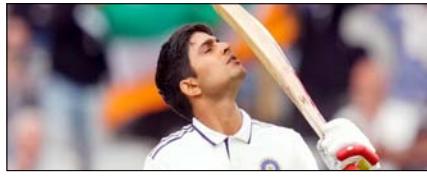
6 सप्तर 1447 हिंदू

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहादून, हल्द्दीनी, मुदाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



स्कूलों के विलय पर योगी सरकार का यूटर्न

पृष्ठ 2



ओवल टेस्ट: गिल ने तोड़ा गावस्कर का रिकॉर्ड

खेल टाइम्स



सियान की परछाइयां: नंदिनी, युद्ध और वैश्विक शतांज

सम्पादकीय



हो सकता है, भारत को तेल बेचे पाक: ट्रन्ड

पृष्ठ 12

मालेगांव विस्फोट मामले में साधी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी

मुंबई, वार्ता

सितंबर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह डाकुर और लैप्टिनेट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। इस विस्फोट में छाते लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे।

राष्ट्रीय जांच एवं सी (एनआई) के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश एक लाहोरी ने अधियाजन पक्ष के मामले और कार्यवाही के बारे कर दिया। इस विस्फोट में छाते लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे।



■ एनआईए कोर्ट का फैसला, विस्फोट में छाते लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे, और टोमस सबूत नहीं
■ फैसला को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे पीड़ित परिवारों के बकीत

बताए। उन्होंने कहा कि आरोपियों को सदरे हुए का लाभ मिलना चाहिए। विस्फोट के सभी भारी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।

ने कहा कि विस्फोट को पुष्ट कर दी है। हाम इस बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।

मोरसाहिकल पर बंधे विस्फोट के उपकारों में विस्फोट में छाते लोगों की मौत हो गई थी। धमाकों में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने अदालत ने कहा कि आरोपियों को सदरे हुए करना किसी विस्फोट के बाद नहीं होता। कार्ड भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता। अदालत के बावजूद धारणा और नैतिक -शेष पृष्ठ दो पर

सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) के प्रावधान लाग नहीं होता। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह सांवित्र नहीं हुआ है कि विस्फोट में इसमाल की गई भौतिकीय क्रिया विस्फोट के बाद नहीं होती। जूसा कि अभियान पक्ष ने दावा किया है। यह भी सांवित्र नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाने गए लोगों की मौत हो गई थी। धमाकों में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने अदालत ने कहा कि आरोपियों को सदरे हुए करना किसी विस्फोट के बाद नहीं होता। कार्ड भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता। अदालत के बावजूद धारणा और नैतिक -शेष पृष्ठ दो पर

लैंडस्लाइड से केदारनाथ यात्रा रुकी गाजियाबाद में सोसाइटी का बेसमेंट धंसा

नई दिल्ली। यूपी के गाजियाबाद में रात भर को बारिश में पूरा शहर जलमग्न हो गया।

2500 लोग फंसे

क्रांसिंग रिपब्लिक के पास सुशांत एकवार्पिलिस सोसाइटी का बेसमेंट में खड़ी 4 गाड़ियां मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं।

दूसरी तरफ, उत्तराखण्ड के पास बुधवार को भैरोप्रयाग जिले में मुकनटिया के पास बुधवार को लैंडस्लाइड

दिल्ली-एनसीआर में मध्यम बारिश का अनुमान तर्फ दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आले दो दिन के द्वारा हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। यौवन विवाह के अनुसार लोनी देहात, हिंडन वायुसेना स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छारपीला, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और बल्लभपुर के इलाकों में बारिश का अनुमान है। सबवह न्यूनमत तापमान 26 डिग्री से ऊपर सह रहा और दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। पिछले कई दिनों में राजधानी में हुई भारी बारिश से दिल्लीवासियों को अनेक स्थानों पर जलभाव और यातायात जाने वाला समस्या का सामना करना पड़ा।

हुई। इसके केदारनाथ जाने वाला सड़क के अचानक बंद होने से गौरीकुण्ड में लगभग 2,500 लोकों द्वारा किया गया है।

बचकानी हठ पर उतरे ट्रम्प, टैरिफ की जिद के साथ बोले- 'भारत-रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबे'

वारिंगटन, वार्ता

भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डानालॉट ट्रम्प ने भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबे, मुझे क्या। एक दिन पहले ट्रम्प ने भारत पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। आधी अमेरित को तरफ से भारतीय सामान पर और अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया। इसके बादने से अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया।

डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कार्यवाही शुरू की जाती है। विकास रुक करते हैं जब आधी अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ दिया है। डेंड इकोनॉमी को हस्तियां को कहते हैं जब किसी देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या विकल सुस्त डूब जाए। इसमें व्यापार,

ट्रम्प के बिंगड़ते बोल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पूरी तरह बेलगाम होते दिखाई दे रहे हैं। वे किसके विषय में कब क्या बोल दें कोई नहीं जानता। उनके फैसले भी बेहद अटपटे दिखाई दे रहे हैं। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अब उन्होंने कह दिया है कि भारत और रूस की इकोनॉमी डेंड हो चुकी है। आम बोलचाल में डेंड इकोनॉमी उस स्थिति को कहते हैं जब किसी देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह टप हो जाए या बिल्कुल सुस्त पड़ जाए। यह एक तरह से किसी देश के दिवालियापन जैसा हो सकता है, जहां कोई नौकरी रहती है तो लोगों की कमाई बढ़ती है। लोग आधिक तरीं में फैस जाते हैं।

अब उन्होंने यह बात किस आकलन के आधार पर कही यह तो वही जानें, लेकिन इससे यह तो पता चलता ही है कि वह भारत को लेकर बेहद ही बेरुखा रुख अपना रहे हैं और यह तब है जब वह भारत को मित्र देशों की श्रेणी में भी रखते दिखाई देते हैं। ट्रम्प को समझना होता कि हर देश की अपनी सीमाएं हैं अपने हित हैं, उसको उन्हीं के दिसाब से फैसले लेने होते हैं। जैसके गुरुवार को उद्योगमंडी पीयूष गोविल ने लोकसभा में कहा था कि सरकार साधीय होता की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। सरकार अपने देश के किसानों, मजदूरों, सक्षम, लघु व मझेले उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। गोविल ने यह भी कहा कि अब तक अमेरिका के साथ चार दौर की बातचीत हो चुकी है और बातचीत अभी दूरी नहीं है।

लगता है कि ट्रम्प को इससे कोई मतलब नहीं है वह बेहद जल्दबाजी में है और वह टेंड को लेकर बेहद आकामक मुद्रा में है। वह किसी की सुनने के लिए भी तैयार नहीं है। उन्हें किसी की लाभ-हानि से कोई लेना नहीं है। उन्हें केवल अमेरिका का हित दिखाये रहा है। उनकी तमाम कोशिश है कि अमेरिका को जो व्यापार में तमाम फायदे मिलें, जबकि दूसरे देशों को भी फायदा हो इससे उन्हें कोई सरोकार दिखाई नहीं दे रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प को समझना चाहिए कि उनकी अर्थव्यवस्था बेहद मजबूत है और इस मजबूती के चलते उनका कोई दायित्व भी गोरी विकासशील देशों के प्रति बनता है। आंधिक बड़ा वहीं कहलाता है, जो अपने छाँटे देशों का भी ख्याल रखे, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय आयात करने पर पैदानी लगाने की घोषणा की गई है। इस नई चुनौती को केंद्र सरकार अवधारणा एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने के लिए व्यापारियों ने अपने देशों को दिए गए इस आश्वासन पर कि किसान, छाँटे व मझेले उद्योग और राष्ट्रपति से इसकी समझौता नहीं करेगी, इस पर खारी उत्तरकर दिखाएगी, भारत गरीबों और महानगरियों लोगों का देश है, हाथ को काम देने के साथ देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अपल होगा चाहिए।



-सुश्री मायावती, बसपा सुप्रीमा

केंद्र सरकार अपने आश्वासन पर खरी उतरे

उम्पाद है कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर केंद्र सरकार अपने आश्वासन पर खारी उत्तरों, मित्र देश ताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय आयात पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क तथा रूस से तेल आयात करने पर पैदानी लगाने की घोषणा की गई है, इस नई चुनौती को केंद्र सरकार अवधारणा एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने हो रहे हैं। इसके लिए व्यापारियों ने अपने देशों को दिए गए इस आश्वासन पर कि किसान, छाँटे व मझेले उद्योग और राष्ट्रपति से इसकी समझौता नहीं करेगी, इस पर खारी उत्तरकर दिखाएगी, भारत गरीबों और महानगरियों लोगों का देश है, हाथ को काम देने के साथ देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अपल होगा चाहिए।

-सुश्री मायावती, बसपा सुप्रीमा

जब युद्ध अचानक प्रकट होता है, तो कहीं न कहीं कोई उसे वर्षे से यह फैसल उगा रहा होता है और, छपकर, और गहरी चातों के साथ थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर उठता थुआ, कृष्ण विलोपक के लिए सिर्फ एक पारपरिक विवाद है, मगर इस लेख के मेरे लिए यह एक बुद्धिमत्ता का विवाद है, जिसके फैसले भी बेहद ही अटपटे दिखाई दे रहे हैं। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अब उन्होंने कह दिया है कि भारत और रूस की इकोनॉमी डेंड हो चुकी है। आम बोलचाल में डेंड इकोनॉमी उस स्थिति को कहते हैं जब किसी देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह टप हो जाए या बिल्कुल सुस्त पड़ जाए। यह एक तरह से किसी देश के दिवालियापन जैसा हो सकता है, जहां कोई नौकरी रहती है तो लोगों की कमाई बढ़ती है। लोग आधिक तरीं में फैस जाते हैं।

प्राचीन मंदिर, आधुनिक युद्ध की भूमिका है, जिसकी स्किप प्लानिंग, तेलन और तेल अदीप में लिखी जा रही है। इसमें इत्तमाल किए गए हथियारों से संकेत स्पष्ट है, यह केवल थाई-कंबोडिया संघर्ष नहीं, यह चीजे के खिलाफ छेड़ा जा रहा एक परोक्ष वैश्विक युद्ध का पहला कदम है, जिसमें दक्षिण-पूर्व एशिया, ब्रिटेन और पूरा ग्लोबल साउथ युद्ध के शरारेज पर मोहर बन चुके हैं।

प्राचीन मंदिर, आधुनिक युद्ध

सीमा विवाद का प्रतीक बन चुका है प्रीह विवेयर मंदिर। एक प्राचीन खंभेर मंदिर जो डांगरेक पर्वते पर उठता था विवरण है, जिसकी दीवारों चुपचाप सियाम के उत्थान, खामेर साम्राज्य की गरिमा, और औपनिवेशिक सीमा-रेखाओं की कूराता की गवाह रही है।

थाई अभिजात वर्ग और सीन्य नेतृत्व, इस मंदिर को राज्य-गौरव का प्रतीक बन चुके हैं, जो डांगरेक पर्वते पर उठता था विवरण है, जिसकी दीवारों चुपचाप सियाम के उत्थान, खामेर साम्राज्य की गरिमा, और औपनिवेशिक सीमा-रेखाओं की कूराता की गवाह रही है।

BRI: रेशमी सपनों की अस्थिर नींव

चीन की Belt and Road Initiative एक 6,000 किमी लंबा महायोग, जो युनान से लेकर सिंगापुर तक दक्षिण-पूर्व एशिया की नसों को जाओगा है। वर्तमान संघर्ष की बुनियाद में कहीं न कहीं न गंतव्य हुई छाया है।

थाईलैंड का हिस्सा (नोंग खाई एप्सन्टेशन) भृष्टाचारी में उलझा है, जबकि कंबोडिया और लाओस तेजी से बीआरआई के नक्शे पर चमक रहे हैं। में देख रहा हूं कि अमेरिका के लिए यह बेहद असहीय है। उन्हें केवल अमेरिका का हित दिखाये रहा है। उनकी तमाम कोशिश है कि अमेरिका को जो व्यापार में तापीं डेंड को बढ़ावा दें। उन्हें केवल अमेरिका को जो व्यापार में तापीं डेंड को बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए उनकी बोलचाल के बिल्कुल एक जाती है।

आंधिक बड़ा वहाँ के हिस्से का हिस्सा (नोंग खाई एप्सन्टेशन)

भृष्टाचारी को थाईलैंड जैसे दस्योगी की हलचल से इशारा मिलता है कि जिस तरह युद्ध को रुक सके तो वहाँ के खिलाफ एक फरिंदवत बेंग बनाया गया, उसी तरह कंबोडिया के जहां चीन ने राजनीतिक रूप से जिसे परिचय ब्लैंड के खिलाफ एक जाति ने कहा है।

बैंकों का अभिजात वर्ग, जो BRI और

सियाम की परछाइयाँ: मंदिर, युद्ध और वैरिवक शतरंज



उखाड़ा, और ASEAN के भीतर से फाड़ डालना अमेरिका की राजनीति बन चुकी है।

अभिजात वर्ग और राजा के आदमी:

खेल के भीतर खेल

राजा के भरोसेमंद लोग, जो सिर्फ सीमा पर

तैनात करांड़ान होना, बल्कि एक मानसिकता के बाहक हैं, जो थाईलैंड को ग्लोबल साउथ के उदय से काटकर, परिचय की गोल में बिठाना चाहते हैं।

बैंकों का अभिजात वर्ग, जो BRI और

BRICS के उदय को अपने

अस्तित्व के लिए खतरा मानता है।

ये वे लोग हैं जो इतिहास से अधिक

लाभ में विश्वास करते हैं और मंदिरों के नाम पर युद्ध बेचते हैं, लेकिन लाभ के लिए शार्ट खरीदते हैं।

अभिजात वर्ग और राजा के आदमी:

खेल के भीतर खेल

राजा के भरोसेमंद लोग, जो सिर्फ सीमा पर

तैनात करांड़ान होना, बल्कि एक मानसिकता के बाहक हैं, जो थाईलैंड को ग्लोबल साउथ के उदय से काटकर, परिचय की गोल में बिठाना चाहते हैं।

बैंकों का अभिजात वर्ग, जो BRI और

BRICS के उदय को अपने

अस्तित्व के लिए खतरा मानता है।

ये वे लोग हैं जो इतिहास से अधिक

लाभ में विश्वास करते हैं और मंदिरों

रों के नाम पर युद्ध बेचते हैं, लेकिन लाभ के लिए शार्ट खरीदते हैं।

(लेखक वरिष्ठ प्रकार, पर्याप्त विवरण की गयी है।

राजनीतिक मामलों पर गहरी पकड़ रखते हैं, ये

विचार उनके निजी विचार हैं।

राजा के भरोसेमंद लोग, जो सिर्फ

